राजस्थान सरकार
निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं प.क. सेवाएं,
स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, जयपुर

क्रमांक - एफ/21/वी.एच.सी/2009/2078 दिनांक - 21/05/09

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
जिला कार्यक्रम प्रबन्धक,
समस्त जिले

विषय–ग्राम स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक हेतु दिशा–निर्देश।

ग्राम स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक मातृ शिशु एवं पोषण दिवस पर आयोजित की जा रही है। ग्राम स्वास्थ्य समिति के सफल क्रियान्वयन में बैठकों का महत्वपूर्ण योगदान है। बैठकों का उद्देश्यपूर्ण आयोजन करने के लिए विस्तृत दिशा–निर्देश तथा माहवार चर्चा के बिन्दु संलग्न किये जा रहे है। दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रति माह बैठकों का आयोजन करवाया जाए।

(वी.श्रीनिवास)
सचिव परिवार कल्याण एवं मिशन निदेशक
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राजस्थान

प्रतिलिपिः—

1. निजी सचिव–प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ।
2. निदेशक–आर.सी.एच., राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन।
3. परियोजना निदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन।
4. वित्तीय सलाहकार–राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन।
5. संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, अजमेर, बीकानेर, भरतपुर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा को भेजकर लेख हैं कि अपने संभाग में ग्राम स्वास्थ्य समिति की बैठकों का नियमित आयोजन करवाना सुनिश्चित करे।
6. राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन।
7. आशा कन्सल्टेन्ट, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन।
8. डीवीजनल कोर्डिनेटर– अजमेर, बीकानेर, कोटा, उदयपुर।
9. स्टेट फेसिलिटेटर– एन.एच.एस.आर.सी.
10. जिला आशा समन्वयक–समस्त जिले।
11. समस्त फैलोज – कम्युनिटी प्रोसेसेज।
12. आई.टी. सलाहकार, सेन्ट्रल सर्वर रूम, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन को भेजकर लेख हैं कि, यह दिशानिर्देश संबंधितों को भेजे तथा एनआरएचएम वेब– साईट पर जोडें जाये।

सचिव परिवार कल्याण एवं मिशन निदेशक
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, राजस्थान

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
(2005-2012)

ग्राम स्वास्थ्य समिति की बैठक हेतु विस्तृत दिशानिर्देश

राज्य में ग्राम स्वास्थ्य समिति का गठन प्रत्येक आवासीय राजस्व गाँव में चयनित जनप्रतिनिधि की अध्यक्षता में किया गया है। आशा सहयोगिनी इस समिति की संयोजक है तथा अन्य सदस्य ए.एन.एम., आँगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वयंसहायता समूह, महिला स्वास्थ्य संघ एवं गैर सरकारी संस्था के प्रतिनिधि है। ग्राम स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक प्रत्येक मातृ, शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर की जानी प्रस्तावित है। ग्राम स्वास्थ्य समितियों को सुदृढ़ एवं सक्षम बनाने के लिए मासिक बैठकों का सफल आयोजन करना अत्यन्त आवश्यक है।

मासिक बैठक के उद्देश्य –

1. ग्राम स्वास्थ्य समिति के सदस्यों को समूह के रूप में कार्य करने के लिए सक्षम बनाना।
2. गाँव के स्वास्थ्य के मुद्दों पर कार्य करने के लिए योजना का निर्माण करना।
3. योजना के आधार पर गाँव में किये गये कार्य की समीक्षा करना।
4. स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में दी जा रही सेवाओं की समीक्षा करना तथा पाई गई खामियों की जानकारी से खण्ड स्तर एवं जिला स्तर के अधिकारियों को अवगत कराना।
5. ग्राम स्वास्थ्य समिति को दी जाने वाली अनटाईड राशि का उपयोग करने के लिए कार्य योजना बनाना तथा व्यय की गई राशि की समीक्षा करना।

आशा सहयोगिनी की भूमिका–

आशा सहयोगिनी ग्राम स्वास्थ्य समिति की संयोजक है। आशा सहयोगिनी द्वारा ग्राम स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन ए.एन.एम. की सहायता से करवाया जाएगा। बैठक के आयोजन करने के लिए आशा सहयोगिनी को प्रति बैठक 100 रू. देने का प्रावधान किया गया है।

आशा सहयोगिनी, बैठकों की कार्यवाही का विवरण मासिक बैठकों के रजिस्टर में दर्ज करायेगी। यह विवरण दो प्रतियों में लिखा जाएगा । प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आयोजित हो रही आशा सहयोगिनीयों की मासिक बैठक में चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, मूल प्रति पर सत्यापन कर छायाप्रति प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर रखेंगे। इस छायाप्रति के आधार पर आशा सहयोगिनी को ग्राम स्वास्थ्य समिति की बैठक के आयोजन के लिए प्रस्तावित 100 रू की राशि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एकीकृत पैकेज में दी जाएगी।

अल्पाहार की व्यवस्था– मासिक बैठक के लिए ग्राम स्वास्थ्य समिति की बैठक में समिति के सदस्यों के लिए अल्पाहार का प्रबन्ध किया जाए। इस हेतु अनटाईड राशि में से प्रति सदस्य 10 रू के हिसाब से 70 रू की राशि प्रतिमाह व्यय की जाए।

परियोजना निदेशक
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं प.क. सेवायें
राजस्थान, जयपुर

चर्चा के बिन्दु–ग्राम स्वास्थ्य समिति की नियमित बैठकें आयोजित करने हेतु माहवार चर्चा के बिन्दु संलग्न किये जा रहे है। यह बिन्दु मुख्यतया निम्न तीन भागों में विभाजित किये गये है –

1. **विचार विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु** –प्रत्येक माह की बैठक में स्थायी बिन्दुओं पर चर्चा करना आवश्यक है। स्थायी बिन्दुओं में मुख्यतया ग्राम स्वास्थ्य समिति द्वारा किये जा रहे कार्यो की कार्ययोजना तथा समीक्षा करना है।
2. **स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु**–इसके अन्तर्गत, प्रत्येक माह के लिए अलग–अलग स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दों तथा समस्याओं को सम्मिलित किया गया है तथा उन स्वास्थ्य मुद्दों के लिए ग्राम स्वास्थ्य समिति की जिम्मेदारी तथा कार्ययोजना को शामिल किया गया है।
3. **अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुद्दें**–गाँव के स्थानीय स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के मुद्दों, समस्याओं पर चर्चा करते हुए निराकरण के लिए कार्ययोजना तैयार की जाए।

उपरोक्त चर्चा के बिन्दुओं के अतिरिक्त भी यदि किसी अन्य मुद्दों पर चर्चा अथवा कार्य की आवश्यकता है तो उसे मासिक बैठक में सम्मिलित किया जाए तथा आवश्यकतानुसार चर्चा के बिन्दुओं में परिवर्तन किया जाए।

मॉनिटरिंग– प्रत्येक माह में एम.सी.एच.एन. कार्यक्रम के मॉनिटरिंग के साथ ही ग्राम स्वास्थ्य समितियों की बैठकों का मॉनिटरिंग किया जाए। इस हेतु निम्न अधिकारियों के द्वारा प्रत्येक माह के लिए दर्शाये गये बैठकों में सम्मिलित होना आवश्यक हैं :–

क.सं.	अधिकारियों का नाम	बैठकों की संख्या
1.	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी	3
2.	प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी	5
3.	डीवीजनल एम.सी.एच. कोर्डिनेटर	5
4.	जिला कार्यक्रम प्रबन्धक	3
5.	जिला आशा समन्वयक	5
6.	ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी	5
7.	ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक	5
8.	चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र)	5
9.	महिला स्वास्थ्य दर्शिका	5

मॉनिटरिंग के दौरान, ग्राम स्वास्थ्य समिति के सदस्यों को मार्गदर्शन प्रदान करे तथा बैठकों में आने वाली समस्याओं का निराकरण स्थानीय स्तर पर करने का प्रयास किया जाए।

परियोजना निदेशक
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं प.क. सेवायें
राजस्थान, जयपुर

ग्राम स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठकों के लिए चर्चा के बिन्दु

माह	विचार–विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु	स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु	अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुद्दें
अप्रैल	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।	• परिवार नियोजन कार्यक्रम की आवश्यकता पर चर्चा। • परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता तथा सरकार द्वारा दी जाने वाली राशि पर चर्चा। • योग्य दम्पत्ति सर्वे के आधार पर दम्पत्तियों को चिन्हित करना तथा आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करना। • एक अथवा दो लड़कियों के बाद नसबन्दी करवाने वाले दम्पत्तियों का 15 अगस्त को आयोजित होने वाली ग्राम सभा में सम्मान करने के लिए प्रस्ताव पारित करना।	• ग्राम स्वास्थ्य समिति के गठन तथा कार्यों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुँचाने के लिए कार्य योजना। • अनटाईड राशि की उपलब्धता तथा उसके उपयोग पर चर्चा करना। • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा। परियोजना निदेशक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं राजस्थान, जयपुर
मई	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना।	• लू लगना, तापघात, गर्मी से होने वाली बिमारियां तथा रोकथाम पर चर्चा। • आंगनबाड़ी, उप–स्वास्थ्य केन्द्र, आशा सहयोगिनी के पास ओ. आर.एस. की उपलब्धता	• आशा–सहयोगिनी की अवधारणा एवं कार्य। • आशा–सहयोगिनी द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की जानकारी ग्रामीणों को देने के लिए कार्य योजना बनाना

माह	विचार–विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु	स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु	अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुद्दें
	• मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।	सुनिश्चित करना तथा अनुपलब्धता की स्थिति में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सूचित करना। • ग्राम स्तर पर गर्मियों की वजह से होने वाली बिमारियों की रोकथाम के लिए कार्य योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना • रोकथाम के लिए अनटाईड राशि से व्यय की जाने वाली राशि के सम्बन्ध में प्रस्ताव तैयार कर पारित करना।	तथा जिम्मेदारी निर्धारण करना। • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा।
जून	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा।	• बारिश के मौसम में होने वाली बिमारियाँ जैसे–हैजा, पीलिया, उल्टी–दस्त आदि पर चर्चा। • इन बिमारियों को फैलने से रोकने के लिए रोकथाम के उपाय तथा कार्य योजना तैयार करना। • इस हेतु ग्राम स्वास्थ्य समिति की जिम्मेदारी निर्धारित करना। • रोकथाम के लिए अनटाईड राशि से व्यय की जाने वाली राशि के सम्बन्ध में प्रस्ताव तैयार कर पारित करना।	• गन्दगी के निस्तारण के लिए अभियान चलाने के लिए चर्चा करना तथा प्रस्ताव पारित करना । • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा। 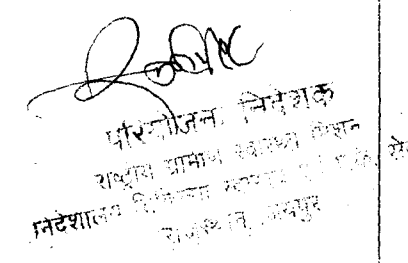

माह	विचार–विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु	स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु	अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुद्दें
	• उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।		
जुलाई	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यो की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।	• मलेरिया, डेंगू, चिकिनगूनिया सम्बन्धी जानकारी तथा रोकथाम के उपाय । • गाँव में उपरोक्त बिमारियाँ न फैलने के लिए किये जाने वाले कार्यों पर चर्चा तथा जिम्मेदारी का निर्धारण। • रोकथाम के लिए अनटाईड राशि से व्यय की जाने वाली राशि के सम्बन्ध में प्रस्ताव तैयार कर पारित करना।	• मलेरियां, डेंगू आदि बिमारियां रोकने के लिए गप्पी/ गम्बूशिया मछली की व्यवस्था करना तथा अन्य व्यवस्था करना • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा। परियोजना निदेशक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं प.क. सेवायें राजस्थान, जयपुर

माह	विचार–विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु	स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु	अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुद्दें
अगस्त	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।	• सुरक्षित प्रसव, प्रसवपूर्व जाँच तथा प्रसव पश्चात जाँच पर चर्चा। • गाँव में होने वाले सभी प्रसवों को संस्थागत करवाने के लिए कार्य योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी सुनिश्चित करना। • जननी सुरक्षा योजना की जानकारी ग्रामीणों को देने के लिए कार्य योजना तैयार करना • गाँव में उपलब्ध सभी वाहनों को सूचीबद्ध कर वाहन चालकों से आपातकालीन स्थिति में महिलाओं को अस्पताल में लेकर जाने के लिए सहमति प्राप्त करना।	• जननी सुरक्षा योजना का लाभ महिलाओं को मिल रहा हैं अथवा नहीं इसकी समीक्षा करना। • यदि लाभ नहीं मिल रहा है तो खण्ड तथा जिला स्तर के अधिकारियों को सूचित करना। • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा।
सितम्बर	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के	• स्तनपान, सम्पूर्ण टीकाकरण पर चर्चा करना। • मातृ शिशु तथा पोषण दिवस पर आयोजित सेवाओं पर चर्चा। • टीकाकरण सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना। • टीकाकरण की जानकारी	• अप्रेल से सितम्बर तक ग्राम स्वास्थ्य समिति द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा करना। • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा।

माह	विचार–विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु	स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु	अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुद्दें
	उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।	ग्रामवासियों को देने के लिए कार्य योजना तैयार कर जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • इस हेतु आवश्यक अनटाईड राशि से व्यय की जाने वाली राशि के सम्बन्ध में प्रस्ताव तैयार कर पारित करना।	
अक्टुबर	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा	• गाँव में गंदगी से स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभावों पर चर्चा। • खुली नालियाँ, खुले में शौच आदि को रोकने के उपायों पर चर्चा करते हुए कार्य योजना तैयार करना। • सम्पूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम के तहत् किये जा रहे कार्यो पर चर्चा।	• जिन घरों में शौचालय नहीं है उन्हें चिन्हित कर, शौचालय निर्माण हेतु कार्ययोजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी तय करना। • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा।

परियोजना निदेशक
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य

माह	विचार–विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु	स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु	अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुददें
	• आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।		
नवम्बर	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।	• टी.बी. के कारणों एवं उपायों पर चर्चा। • टी.बी. रोगियों की पहचान। • टी.बी. की रोकथाम में ग्राम स्वास्थ्य समिति की भूमिका। • टी.बी. के रोगियों को डॉट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजना तैयार करना। • अधूरी डाट्स की दवाईयां लेने वाला मरीजों की पहचान एवं उन्हें दवा लेने के लिए प्रेरित करना। • रोकथाम के लिए अनटाईड राशि से व्यय की जाने वाली राशि के सम्बन्ध में प्रस्ताव तैयार कर पारित करना।	• टी.बी. की वजह से परिवार तथा समुदाय पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी ग्रामीणों को प्रदान करने के लिए योजना तैयार करना। • स्थानीय स्वास्थ्य मुददों पर चर्चा। परियोजना निदेशक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं प.क. सेवायें राजस्थान, जयपुर

माह	विचार–विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु	स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु	अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुद्दें
दिसम्बर	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा. • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।	• गाँव के लिए सी.एन.ए. सर्वे के आधार पर ग्राम स्वास्थ्य प्लान तैयार करना। • ग्राम स्वास्थ्य समिति के सदस्यों के अतिरिक्त स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने के लिए इच्छुक व्यक्तियों को नियोजन कार्य के लिए जोड़ना। • ग्राम स्वास्थ्य प्लान को ग्राम पंचायत में भेजना। • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के बारे में ग्रामीणों को जानकारी देने के लिए कार्य योजना तैयार कर जिम्मेदारी तय करना।	• गाँव में स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए किसी एक व्यक्ति को चयनित करना। • 26 जनवरी को होने वाली ग्राम पंचायत/पंचायत समिति की बैठक में पुरस्कार हेतु चयनित व्यक्ति को नामांकित करना तथा पुरस्कार की राशि अनटाईड राशि से देना। • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा।
जनवरी	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा–	• एच.आई.वी. एड्स पर चर्चा। • वी.सी.टी.सी. केन्द्रों की जानकारी ग्रामीणों को देने के लिए कार्ययोजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी तय करना। • इस हेतु अनटाईड राशि से व्यय हेतु प्रस्ताव पारित करना।	• प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र /उप–स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की सूची का बोर्ड की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा उपलब्ध न होने की स्थिति में खण्ड स्तर एवं जिला स्तर के अधिकारियों को सूचित करना।

निदेशक
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य संस्थान
चिकित्सा स्वास्थ्य

माह	विचार–विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु	स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु	अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुद्दें
	1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।		• स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा
फरवरी	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यों की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा	• बाल विवाह – एक सामाजिक बुराई, पर चर्चा। • बाल विवाह से होने वाले नुकसान तथा स्वास्थ्य पर होने वाले दूष्प्रभावों पर चर्चा। • गाँव में बाल विवाह रोकने के लिए ग्राम स्वास्थ्य समिति की भूमिका पर चर्चा। • गाँव में कोई भी बाल विवाह न हो इस हेतु कार्य योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • सभी किशोरियों का आंगनबाड़ी केन्द्र पर पंजीकरण सुनिश्चित करना।	• बाल विवाह रोकने के लिए विभिन्न विभागों जैसे–पंचायती राज, महिला बाल विकास, पुलिस प्रशासन आदि से सहयोग प्राप्त करने के लिए चर्चा करना। • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा। परियोजना निदेशक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं प.क. सेवायें राजस्थान, जयपुर

माह	विचार–विमर्श हेतु स्थायी बिन्दु	स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी चर्चा के बिन्दु	अन्य चर्चा के बिन्दु तथा स्थानीय मुद्दें
	जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।		
मार्च	• पूर्व में लिए गये निर्णयों की अनुपालना तथा समीक्षा • ग्राम स्वास्थ्य प्लान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आगामी माह के लिए कार्य योजना। • पिछले माह में अनटाईड राशि से किये गये व्यय की समीक्षा तथा आगामी माह के लिए कार्य योजना। • मातृ शिशु स्वास्थ्य दिवस पर किये गये कार्यो की समीक्षा तथा खामियाँ दूर करने तथा निम्न सेवाओं से छुटी हुई महिलाओं एवं बच्चों को सेवायें पहुचाने के उपायों पर चर्चा– 1. प्रसवपूर्व जाँच 2. प्रसव पश्चात जाँच 3. टीकाकरण • दम्पति सर्वेक्षण के आधार पर परिवार कल्याण सेवाओं की समीक्षा। • उप–स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा • आशा सहयोगिनी द्वारा किये गये कार्यो की समीक्षा • आगामी माह में होने वाले सभी प्रसवों को स्वास्थ्य संस्था पर करने के लिए योजना तैयार करना तथा जिम्मेदारी का निर्धारण करना। • गाँव में यदि कोई मातृ अथवा शिशु मृत्यु हुई है तो उसके कारणों की समीक्षा करना तथा भविष्य में न हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार करना।	• ग्राम स्वास्थ्य समिति द्वारा पूरे वर्ष में किये गये कार्य की समीक्षा करना। • आगामी वर्ष के लिए ग्राम स्वास्थ्य प्लान के अनुसार गतिविधियों का निर्धारण करना। • ग्राम स्वास्थ्य समिति के कार्यो तथा ग्राम स्वास्थ्य प्लान की जानकारी सभी ग्रामीणों को प्रदान करना।	• वर्ष में किये गये अनटाईड राशि के व्यय की समिक्षा। • स्थानीय स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा। परियोजना निदेशक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं प.क. सेवा राजस्थान, जयपुर